

श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित



शिक्षा दर्पण



शिक्षा प्रभाग की समाचार पत्रिका

मार्च 2014

ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आवू (राज.)



ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी जी को डी.लिट्. (डॉक्टरेट) की मानद् उपाधि से सम्मानित करते हुए गुलबर्गा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ई.टी. पुटैय्या, कुल सचिव प्रो. चंद्रकांत यातनूर तथा प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार डॉ. आर. चिदम्बरम्।

परामर्श दाता

राजयोगी निर्वैर जी

महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

राजयोगी मृत्युंजय जी

कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग

राजयोगिनी शीलू बहन जी

मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग

प्रधान सम्पादक

राजयोगी डॉ. हरीश शुक्ल जी

राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग

सम्पादक मण्डल

ब्र.कु. सुन्दरलाल जी, हरिनगर, दिल्ली

ब्र.कु. प्रो. एम.के. कोहली, गुड़गाँव

ब्र.कु. डॉ. ममता शर्मा, मेहसाना

प्रकाशक

एज्युकेशन विंग (R.E. & R.F.)

एवं ब्रह्माकुमारीज़

प्रकाशन

ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड

डिजाइनिंग और टाइप सेटिंग

ब्र.कु. चुनेश

वैल्यू एज्युकेशन ऑफिस, शान्तिवन, आबू रोड

अमृत सूची

- ❖ मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता का सम्मान
- ❖ राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा डी.लिट् उपाधि (मानद्) से विभूषित
- ❖ स्वर्णिम युग निर्माण के लिए दिव्य ज्ञान
- ❖ वृक्षारोपण से हुई शैक्षिक अभियान की शुरुआत
- ❖ 34वाँ अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर, 2013
- ❖ मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम : कक्षा - 11
- ❖ विभिन्न स्थानों से प्राप्त सेवा समाचार - फोटो



निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि वैल्यू एज्युकेशन ऑफिस, शान्तिवन, आबू रोड के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

E-mail: harishshukla53@yahoo.com/bkchuneshabu@gmail.com

Mobile No.: +91 94276-38887 / +91 94140 -03961

ब्र.कु. डॉ. हरीश शुक्ल

राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग, सुखशान्ति भवन (अहमदाबाद)



सम्पादकीय

मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता का सम्मान

ब्रह्माकुमारी संस्था सन् 1936 से मानव चरित्र के उत्थान के लिए अविरत कार्य कर रही है। जब-जब विश्व के श्रेष्ठ चरित्रों या दिव्यता की चर्चा होती है, तब-तब विश्व चिंतकों की दृष्टि ऐसे व्यक्तित्व पर अनायास ही पड़ती है जो वर्तमान जीवन में अपने जीवन से न केवल अपना वरन् दूसरों का भी चरित्र श्रेष्ठ बनाने में जुटे हुए होते हैं। यह केवल तभी सम्भव है जब व्यक्ति अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में आध्यात्मिक रूप में मूल्यों का संवर्द्धन करते हुए नजर आते हैं।

मूल्यों और आध्यात्मिकता को जीवन में आत्मसात् करना एक महान तपस्या करने जैसा है। यह प्रत्येक मनुष्य करे- यह कठिन है। ब्रह्माकुमारीज की शिक्षा मूल्यों एवं आध्यात्मिकता द्वारा मानव का सशक्तिकरण करने की है। 1936 से यह विद्यालय समाज में श्रेष्ठ चरित्रों के निर्माण की प्रक्रिया में अग्रसर है। निरन्तर 78 वर्ष तक वही कार्य, वही दिव्यता, वही महानता, सादगी से जीवन में मूल्यों और आध्यात्मिकता की शिक्षा प्रदान करता आ रहा है। संस्था के आदि समय से इस विद्यालय की शिक्षा को न केवल पढ़ाना परन्तु जीवन में उतारने का भी कार्य संस्था के छात्र करते आये हैं। ऐसी मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा का समय-समय पर विश्व स्तर पर सम्मान होता आया है। विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, चिंतकों और मनीषियों ने वर्तमान समय में मूल्यों की शिक्षा पर विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। इस दिशा में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय निरन्तर अग्रसर है।

आज आध्यात्मिक, नैतिक एवं जीवन मूल्य, युवा एवं महिला उत्थान में ईश्वरीय विश्व विद्यालय सर्वोच्च स्थान पर है। इसके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक अच्छी व स्वस्थ परम्परा का प्रारम्भ हुआ है। वैसे विश्वविद्यालय का कार्य शिक्षा देकर डिग्री प्रदान करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को सुसंस्कृत करना, सभ्य नागरिक बनाना, समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध बनाना, देश की एकता और अखण्डता के लिए भ्रातृत्व और विश्व-बंधुत्व के लिए उत्तम सोच का निर्माण करना और उसे सार्थक बनाना भी है। हम अब तक देश की भौतिक शिक्षा को ही पढ़ते रहे हैं। परन्तु आज भौतिक, आर्थिक शिक्षा की तुलना में नैतिक व मूल्य शिक्षा की आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है। समाज में आध्यात्मिक

पुनरुत्थान, नैतिक क्रान्ति, चरित्र निर्माण, शान्ति एवं सद्भावना की पुनर्स्थापना के लिए सबकी नजर ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर मुड़ी है। इसका श्रेय विश्व विद्यालय के आद्य स्थापक प्रजापिता ब्रह्मा के माध्यम व प्रेरणा से समग्र विश्व में आज 137 देशों में बिना जातिभेद, वर्णभेद, लिंगभेद के राजयोग द्वारा मूल्य और आध्यात्मिकता की शिक्षा देकर श्रेष्ठ चरित्रों का निर्माण हो रहा है।

इस समय सारा विश्व व खास भारत आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक मतभेद के संकट से गुजर रहा है। ऐसे समय में शिक्षा का योगदान महत्वपूर्ण है। शिक्षा से जीवन में परिवर्तन लाने की शक्ति है। ऐसी ही शिक्षा का सम्मान करने के लिए आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आमूल क्रान्तिकारी कदम उठाये जा रहे हैं। इस दिशा में मूल्य और आध्यात्मिकता की सबसे सर्वोच्च 'डी.लिट्' की उपाधि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर राजस्थान ने 30 दिसम्बर, 1992 को संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी को मानद् रूप में प्रदान कर सम्मान दिया था। इसी श्रृंखला में आज मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता की शिक्षा को विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाया भी जा रहा है। 20 अगस्त, 2011 को गीतम यूनिवर्सिटी, विशाखापटनम्, आंध्र प्रदेश ने संस्था की वर्तमान प्रशासिका दादी जानकी जी को मानद् 'डी.लिट्' की उपाधि से सम्मानित किया। मूल्य शिक्षा के क्षेत्र में यह एक क्रान्तिकारी कदम था। मुझे यह कहने में बड़ा गर्व महसूस हो रहा है कि आज 78 वर्ष की अविरत सेवा-साधना से अपने जीवन में मूल्यों को आत्मसात् करके प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वरिष्ठ दादियां मूल्य शिक्षा से दूसरों के जीवन को प्रेरणा देती रही हैं और अपने जैसे श्रेष्ठ चरित्रों का निर्माण कर रही है। यह सम्मान ब्रह्माकुमारीज के नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का सम्मान है। 20 फरवरी, 2014 के दिन कर्नाटक के गुलबर्गा विश्वविद्यालय ने भी संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी जी को भी 'डी.लिट्' की मानद् उपाधि प्रदान की है। अब इस महान कार्य में भारत के विश्वविद्यालय भी जुड़ रहे हैं। इससे स्वयं सिद्ध है कि ईश्वर प्रदत्त इस विश्वविद्यालय का कार्य और शिक्षा स्वयं आने वाले समय में एक आदर्श स्वर्णिम भारत का निर्माण करेगी।

ब.कु. डॉ. हरीश शुक्ल
राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा प्रभाग

Dadi Ratan Mohini ji conferred with Honorary Doctorate by Gulbarga University



Reverend Rajyogini Dadi Ratan Mohini ji, Joint Chief of Brahma Kumaris was awarded with Honorary Doctorate Degree in recognition of her contribution towards the spiritual, moral and social empowerment of youth and women in particular and society in general. The award was conferred upon her by **Prof. E.T Puttaiah**, Vice Chancellor and by **Prof. Chandrakant Yatanoor**, the Registrar of Gulbarga University on 20th February, 2014 at the 32nd Convocation Ceremony of the University.

The Chief Guest, who delivered the Convocation Address, was none other than the world renowned scientist, Padma Bhushan **Dr. R. Chidambaram**, Principal Scientific Advisor to the Government of India. Twelve eminent personalities from different fields who received the Honorary Doctorate Degree included **Rahul Dravid**, Former Indian Cricket Captain, **Shri H.K. Muniappa**, Union Minister of State for Micro, Small and Medium Enterprises, Janab **Shri Qamarul-Islam**, Cabinet Minister of Karnataka and **Shri Mohan Manghnani**, renowned Industrialist, Educationist and Philanthropist from Bangalore among others. The recipients of the Honorary Doctorate Degree along with the Chief Guest, Vice Chancellor, Registrar, Minister, Deans of various faculties of the University, Administrative staff, Academic Council Syndicate members and

other dignitaries were taken out together in a procession with the bandset playing in the background and the group was greeted with huge round of applause as they stepped on the stage.

The University also awarded Doctorate/M. Phil/ Bachelor degrees to the students of law, science, arts, commerce, philosophy, languages etc. There were about 3000 participants in the Convocation Ceremony. The entire event was covered by different TV Channels, print media and other media personalities and telecasted live through Peace of Mind channel. The whole event was beautifully organised and had a patriotic fervour with the national anthem and devotional songs being played by the artists from the University. **Dadi Ratan Mohini ji** was the only woman leader among other 12 recipients of the Honorary Doctorate Degree. It is indeed a great honour and a feather in the cap of Brahma Kumaris. This is another unique step in the glorification of Godly services and also in the recognition of Dadi's dedication, devotion and contribution towards the moral reconstruction and upliftment of humanity.

B.K. Mruthyunjaya

Vice-Chairperson, Education Wing, Brahma Kumaris



DIVINE KNOWLEDGE FOR GOLDEN AGE



The 'College and University Teachers' Conference' on “**Divine Knowledge for Golden Age**” was organized and hosted by the Education Wing, RE & RF and Prajapita Brahma Kumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya at Gyan Sarovar. More than 600 delegates have participated in the conference. The participants included several Vice-Chancellors, Pro Vice-Chancellor, Directors, Principals, Professors, Asst. Professors and Lecturers of Universities & Colleges. Many of them have been our Guests of Honour.

The Conference started with the Reception session on 31st May 2013. **Dr. R.P. Gupta**, H.Q. Coordinator, Education Wing welcomed the guests and the delegates. **Dr. B.K. Harish Shukla**, National Coordinator, Education Wing, highlighted the objectives and activities of Prajapita Brahma Kumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya and Education Wing. He pointed out that through divine knowledge and wisdom Bharat would regain her lost glory of Golden Age. **B.K. Pandiamani**, Director, Distance Education Programs gave details of the courses of 'Value Education & Spirituality' in four Universities – Annamalai University, Tamil Nadu; Y.C.M. Open University, Nashik, Maharashtra; R.K.D.F. University, Bhopal, M.P. and Dibrugarh University, Dibrugarh, Assam. The details of these courses are

given in the profile 2012-13 of Brahma Kumaris.

The Guest of Honour **Dr. Baishnab Charan Tripathy**, Vice Chancellor, Ravenshaw University, Cuttack expressed his desire to collaborate with Brahma Kumaris Education Wing for introduction of courses in Value Education and Spirituality in the university. Another Guest of Honour **Dr. Sanjay Biyani**, Director, Biyani Group of Colleges, Jaipur offered to collaborate with Brahma Kumaris to introduce the courses of Value Education & Spirituality in the Biyani Group of Colleges. **B.K. Anuradha** gave a meditation practice to the audience. **Prof. B.K. Mukesh Agrawal** thanked the delegates. **B.K. Savitha** acted as a coordinator very nicely.

The Inaugural session started with a welcome dance by **Kumari Kaniska**, a welcome song by Madhur Vani Group and the candle lighting. **Rajyogini Dadi Ratan Mohiniji**, Joint Administrative Head, Brahma Kumaris gave her blessings and presented a picture of the Golden Age. She said that God's divine work of transformation is going on. It is certain that Bharat will regain her golden image in near future. **Rajyogini B.K. Sheilu**, H.Q. Coordinator, Education Wing, Senior Faculty Member of Brahma Kumaris spoke about the loss of values in present age (Kalyuga) in contrast with the

Golden Age. Through divine knowledge of Shiv Baba India will recover her lost glory of Golden Age. She remarked "Every Saint has a past and every sinner has a future".

The Guest of Honour **Dr. Vinay Kumar Pathak**, Vice Chancellor, Vardhaman Mahaveer Open University, Kota (Rajasthan) offered to establish a centre of Value Education at the university campus in collaboration with Brahma Kumaris. Another Guest of Honour **Dr. Prem Kumar Khoshla**, Vice Chancellor, Shoolini University, Solan (H.P.) told that he had already established a centre for teachings of Bhagvad Gita. In order to strengthen that centre, he expressed his desire to introduce value education in collaboration of Brahma Kumaris.

Rajyogi B.K. Mruthyunjaya, Vice Chairperson, Education Wing, while giving his Chairperson address, stressed the need of reviving universal values in society through Value Education and Spirituality which are preached and practiced by Brahma Kumaris. Human society can be free from crime, fear, exploitation, injustice, falsehood and other human vices only through spiritual wisdom, purity and meditation. In this context, he also referred to the project "Clean the Mind and Green the Earth" initiated by the Education Wing and Brahma Kumaris. It will create an environment of affection, love, peace and harmony. In recognition of Brahma Kumaris' contribution to spiritual regeneration, he quoted the words of Dr. A.P.J. Abdul Kalam, the former President of India: "Brahma Kumaris has a vast network of Spiritual Educational Centre in India. Spiritual education is instrumental in eradicating weaknesses and vices of the society. It awakens our consciousness, which symbolizes truth. This consciousness helps us in discriminating truth and falsehood".

At the end, a resolution for establishing a Centre for Value education at Vardhaman Mahaveer Open University, Kota, in collaboration with Brahma Kumaris, as offered by the V.C. Prof. Vinay Kumar Pathak was adopted. B.K. Suman performs the task of coordinator efficiently.

Nine open sessions were held to highlight and discuss different topics on 1st & 2nd June, 2013. The

1st Open Session dealt with the topic: "**The Role of Value in Promoting Culture of Peace**", on which **Dr. Hardeep Singh** presented his views through a video presentation. He elaborated the role of value for promoting peace in human society. The Chairperson **Dr. Geeta Sharma** emphasized the need for self-introspection for restoring peace within. **B.K. Shweta** acted as coordinator nicely.

In the **2nd Open Session** **Dr. R.P. Gupta**, H.Q. Coordinator, Value Education, explained about the project: "**Clean the Mind and Green the Earth**" – a project initiated by Brahma Kumaris, with the help of video presentation. He described the need, objectives and methods to be used for the campaign to be started in July, 2013. This campaign will continue all over the country till October 2013. Its closing ceremony will be held on 09th October, 2013 at Shantivan, Abu Road. Ten top centres will be honoured at this closing ceremony. **B.K. Kamal** did the job of coordinator.

The **3rd Open Session** discussed the topic: "**Education for Stress free living**". The speaker **B.K. Pius** presented his views on stress free living in a very interesting manner. Negative thoughts can be changed to positive one by keeping in mind the 4 Rs' – Responsibility, Relations, Routine, and Role. The chairperson **Dr. J. Bhattacharya**, supported the speakers views and appreciated the role of Brahma Kumaris. **B.K. Shilpa** acted as coordinator nicely.

In the **4th Open Session** **Dr. Jayadeba Sahoo** spoke on the topic: "**Education for Human Rights & Duties**" through video presentation. He explained in details the concept of human rights and the need of education for proper understanding human rights and duties. The chairperson **Dr. M.L. Vaidya** shared some views of the speaker and praised the role of Brahma Kumaris. **B.K. Sheetal** performed the task of coordinator.

In the **5th Open Session** **B.K. Shivika** presented her views on the topic: "**Spiritual solutions for mental and environmental pollution**" through a video presentation in a very convincing and effective manner. She illustrated with examples all aspects of the subject, stressing 'Time for change'. The Chairperson **Dr. Gopinath Pardhan**, Director, School of Social Sciences, IGNOU, Delhi, expressed his view point on the topic and appreciated the work

being done by Brahma Kumaris. **B.K. Supriya** acted as coordinator efficiently.

The 6th **Open Session** discussed the topic: “**Positive thinking key to happiness**”. The speaker **B.K. Vijaylakshmi** expressed her views on the said topic very effectively. She referred to responsibility, relation, routine and role for positive thinking. The Chairperson **Dr. O.P. Gill**, Vice Chancellor, Maharana Pratap Technical University, Udaipur also presented his views appreciating the role of Brahma Kumaris. **B.K. Jayashree** acted as coordinator efficiently.

The 7th **Open Session** was meant for the topic: “**Values: The Crown and Glory of Life**”. The speaker **B.K. Prof. M.K. Kohli** cited several interesting examples of real life to emphasize his point of view on the topic. He gave some real incidents of his own life to illustrate the values of honesty and self-esteem. His mode of expression was very interesting and effective. The Chairperson **Prof. Sham Tikoo**, Pro-Vice-Chancellor, Galgotias University, Noida spoke in detail on the need of Value Education for students and praised the role of Brahma Kumaris in this context. **B.K. Leena** acted as coordinator efficiently.

The 8th **Open Session** was for discussing the topic “**Need for Blending Science with Spirituality for a Better World**”. The speaker **B.K. Surendran** explained for blending of science with spirituality with the help of examples from real life and his personal experiences. The chairperson **Dr. Surekha Thacker**, Vice Chancellor, ITM University, Raipur presented her point of view through video presentation through effective illustrations along with her personal experiences. **B.K. Tara** acted as coordinator efficiently.

The 9th **Open Session** dealt with the topic: “**Spiritual Education for better human relationships**”. The speaker **Dr. B.K. Seema** expressed her views in a very simple but effective manner with the help of examples of real life and her personal experiences. She explained the technique of relationship with the self, with others, with nature, and with God. The chairperson **Dr. Jatine Soni**, Vice-Chancellor, Swarnim Gujarat Sports University, Gandhinagar explained the essence of

relationships by citing real incidents and examples from his professional and family life. **B.K. Lalit** was the coordinator of the stage.

The topic for **Panel Discussion** was “**Role of Divine Wisdom in Establishing Golden Age**”. The panelists **Dr. Shashi Adlakha**, Director, Engineering & Medical College & Hospital, Faridabad, **B.K. Sarita** and **Dr. Sangani** participated in the discussion and expressed their respective views on divine wisdom for Golden age. The chairperson **Dr. Sobha Tomar**, Chairman, National Institute of Medical Sciences University, Jaipur concluded the discussion, saying that purification of mind and divine intellect are essential for Golden age. **B.K. Shweta** acted as coordinator for the panel discussion.

In the **Valedictory Session, Her Excellency, Smt Margaret Alva**, Governor of Rajasthan while addressing the gathering said that education is the foundation for successful life. The Government of India has given more importance by inacting a law that education is a fundamental right. The University and college teachers have a major role in Nation building.

She added that the Brahma Kumaris Institution is focussing on empowering human life with values and spiritual wisdom. There academic programs adapted in different universities will make a difference in learning and help in character building. She also stressed on the importance of values such as national integrity, non-violence and universal brotherhood.

In the present day governance, there is no dirt of money for education however, the teachers are not honest. Some State Government reports reveal that many teachers sublet their responsibilities to others for lesser salaries like sub-contracts. She also said that education has become a commercial activity. If this trend continues for a longer period, it is harmful for the future of humanity.

Rajyogi BK Mruthyunjaya, Executive Secretary, Brahma Kumaris while welcoming the Governor quoted the comments of Dr. Radha Krishnan, the Former President of India "The Nation is built in the classroom and the teachers are the

architect..".

The Guest of Honour, **Dr. K.C. Singhal**, Vice-Chancellor, National Institute of Medical Sciences University, Jaipur said that in addition to the teachers, the technocrats and the saints are truly the builders of the nation. He said that I am proud that the Brahma Kumaris Spiritual University is playing an important role in establishing a Golden Age through God's Wisdom.

Dr. Karan Singh, Executive Member of Education Wing presented a brief report of the conference. **Dr. B.K. Binny**, P.R.O. of G.H.R.C., Mount Abu presented a vote of thanks and the session was conducted lively by **Dr. Mamta**, Faculty of Brahma Kumaris.

The early morning **Rajyoga Meditation Sessions** were also conducted every day on various spiritual topics by the Senior Rajyoga teachers of Brahma Kumaris. **Rajyogini B.K. Shiela** spoke efficiently on the topic **"Exploring One's True Identity"**. **Rajyogini B.K. Suman** explained about the Supreme Truth and God in the topic **"Experiencing the Divine"**. **Rajyogini B.K. Usha** conducted a Meditation Session wherein she explained about **"Developing a Deep Relationship with God"**. **Rajyogini B.K. Geeta** conducted a **"Exploring Inner Powers"**.

The conference unanimously agreed to support the suggestions to start Value Education Programs such as:

1. Diploma in Values and Spiritual Education
2. PG Diploma in Value Education and



Spirituality

3. M.Sc in Value Education and Spirituality
4. M.B.A. in Self Management and Crisis Management
5. PG Diploma in Values and Health Care
6. Diploma, Advance Diploma and Degree in Values and Spiritual Education
7. One 100 marks Paper on Values, Rajyoga Meditation and Consciousness in all UG and PG courses including professional and technical courses.

The paper would be 'Values, Consciousness and Meditation'. The organizers also agreed to support the suggestion of opening Center for Value Education and Meditation in collaboration with Brahma Kumaris Education Wing. The following Universities have agreed to start the above programs from this academic year.

1. Ravenshaw University, Cuttack
2. Shoolini University, Solan
3. Galgotias University, Greater Noida
4. Maharana Pratap Technical University, Udaipur

A technical committee has been constituted to study the course material already prepared and also discuss with the above University authorities (Academic Counsel) for changes and adoption as per their requirements.

B.K. Ved Guliani

Executive Member, Education Wing, Hisar

वृक्षारोपण से हुई शैक्षिक अभियान की शुरुआत

भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने तालकटोरा इण्डोर स्टेडियम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय शैक्षिक अभियान एवं 'मन को स्वच्छ एवं धरती को हरा-भरा बनायें' योजना की शुरुआत वृक्षारोपण से की।

डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि आध्यात्मिकता के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा बताये जा रहे आध्यात्मिक, सत्य और अहिंसा के मार्ग पर लोगों को चलने की प्रेरणा दी। जब मन की सोच स्वच्छ और सबको साथ लेकर चलने की होगी, तभी देश आगे बढ़ेगा। मन स्वच्छ एवं धरती की हरियाली न हो तो सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं प्रगति की कल्पना असंभव है।

शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में पर्यावरण का संरक्षण न होने से वायु, जल एवं धरती तीव्र गति से प्रदूषित हो रहे हैं जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। मनुष्य अपने स्वार्थपूर्ति के लिए अपने ही कुल का विनाश करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संस्था के महासचिव ब्र.कु. वृजमोहन ने कहा कि सत्य और अहिंसा का मिश्रण शिक्षा पद्धति में लाने से स्वयं में धारणा तथा जीवन में मूल्यों की वृद्धि होती है। महात्मा गाँधी जी ने सत्य और अहिंसा को ही अपना शस्त्र बनाकर भारत को आजादी दिलाई।

इसी कारण उन्हें राष्ट्रपिता की संज्ञा मिली। उन्होंने नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को शिक्षा में समावेश करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री ने कहा कि सदियों से भारत के प्रति लोग आकर्षित होकर चरित्र की शिक्षा लेते थे। पूर्व में नालंदा विश्वविद्यालय तथा अन्य स्थानों पर विश्व के अनेक विद्यार्थी आकर भारत की संस्कृति एवं सभ्यता से अवगत होते थे। उन्होंने संस्था द्वारा चलाये जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान शिक्षा प्रणाली में नैतिकता और आध्यात्मिकता के समावेश से देश व समाज का भला करने में कारगर साबित होगा। ऐसे श्रेष्ठ कार्य में सरकार भी सहयोगी बनती रहेगी। दिल्ली सरकार के श्रममंत्री रमाकांत गोस्वामी ने कहा कि इस कार्यक्रम में भाग लेकर अति प्रसन्नता की अनुभूति कर रहा हूँ। मुझे आशा है कि मैं संस्थान के आगामी कार्यक्रमों में भाग लेकर सेवा में सहयोगी बनूंगा।

समापन सत्र में 'स्वच्छ, हरित और सशक्त भारत' विषय पर सांसद महाबल मिश्रा, संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एल.एस. झा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में दिल्ली पांडव भवन की निर्देशिका ब्र.कु. पुष्पा, श्रीफोर्ट विभाग की संचालिका ब्र.कु. शांति, प्रो. सविता बहन, पालम विहार की ब्र.कु. सुदेश, रानीबाग की ब्र.कु. कोकिला ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया।



1. केन्द्रीय मंत्री फारूख अब्दुल्ला वृक्षारोपण करते हुए। साथ में हैं ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. शुक्ला बहन, दिल्ली तथा अन्य।
2. पर्यावरण संरक्षण पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए स्कूल के छात्र।

34वाँ अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर, 2013



परमपिता परमात्मा की अवतरण भूमि मधुवन में शिक्षा प्रभाग द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 34वाँ अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का कार्यक्रम बाबा की बेहद विशाल तपोभूमि 'शांतिवन' में 20 से 26 मई, 2013 तक बहुत सुंदर व शांत वातावरण में सम्पन्न हुआ जिसमें पूरे भारतवर्ष से लगभग 2000 से भी अधिक संख्या में 10 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों के लिए नियम, मर्यादानुसार कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दिनांक 20 मई, 2013 का दिन बच्चों के आगमन का दिन रहा, जिसमें बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया और उनको शिविर के लिए टाईम-टेबल, प्रतिदिन का चार्ट, आवश्यक निर्देश, बैज आदि दिए गए। सायं 6 बजे बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन एवं स्वागत समारोह हुआ। समारोह में शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय ने बच्चों को कहा कि जैसे मधुवन का श्रृंगार दादियां और अन्य ब्रह्माकुमार भाई-बहनें हैं, वैसे आप बच्चे इस धरती के श्रृंगार हैं। दादी प्रकाशमणि जी ने इस कार्यक्रम की शुरुआत 1978 से की। उनका लक्ष्य था

कि बच्चों को आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना। राजयोगी ब्र.कु. भूपाल ने बच्चों को कहा कि आप सभी महान आत्माएं हैं। आप सब शान्ति और सौहार्दपूर्वक मधुवन की इस भूमि पर रहेगे। राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पवित्र राजहंस हमेशा ज्ञान रूपी मोती चुगते हैं। उसी प्रकार आप बच्चे भी कभी झूठ नहीं बोलेंगे, एक-दूसरे से लड़ेंगे नहीं, रोयेंगे नहीं और सभी मिल-जुलकर रहेंगे। राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी बहन ने आशीर्चन देते हुए बच्चों को कहा कि आप सभी बच्चों को जीवन में सात बातों को अपनाना है: आज्ञाकारिता, प्रमाणिकता, सत्यता, स्वच्छता, विश्वसनीयता, सच्चाई और अनुशासन। तत्पश्चात् दीप प्रज्वलन किया गया। राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने अपने अध्यक्षीय प्रवचन में बच्चों को बाबा के 'राजा बेटा और रानी बेटी' कहते हुए कहा कि आप सभी मधुवन के वीवीआईपी हो। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्र को अच्छे नेतृत्व की आवश्यकता है और आप सभी बच्चे आने वाले कल के नेता हो तथा इस दुनिया पर स्वर्ग की स्थापना करने वाले हो।

तत्पश्चात् सभी बच्चों को सौगात और टोली दी गई। मंच संचालन **ब्र.कु. डॉ. ममता बहन** ने किया।

दिनांक 21 मई, 2013 को प्रातः 9 से 12.30 बजे तक डायमण्ड और एंजल ग्रुप के सभी बच्चों की बौद्धिक स्पर्धाएं शुरू हुईं। सायं 5 से 6 बजे तक सदा प्रसन्न रहने की कला विषय पर **राजयोगी ब्र.कु. करुणा** ने बच्चों को क्लास कराया। उन्होंने बच्चों को कहा कि बाबा की याद में सभी बच्चे यहाँ बैठे हैं। बाबा की सबसे पहली विशेषता यही है कि वह शान्ति के सागर है और हम सभी शान्ति के सागर से जुड़े हुए हैं। सभी शान्त आत्माएं हैं। उन्होंने रावण और अंगद की कहानी के माध्यम से बच्चों को कहा कि शक्ति अंगद के पैरों में नहीं परन्तु उसके दृढ़ संकल्पों और भगवान के प्रति विश्वास में थी। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव सुनाकर बच्चों को सदा प्रसन्न रहने की कला सिखाई। सायं 6.30 से 7.30 बजे तक **ब्र.कु. सुमन बहन** ने सामूहिक योगाभ्यास का कॉमेण्ट्री के साथ क्लास कराया। उन्होंने सकारात्मक चिंतन की बातें बताते हुए बच्चों को एक्सरसाइज के माध्यम से विचारों का परिवर्तन करने की कला सिखाई। रात्रि 8 से 9.30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 22 मई, 2013 को प्रातः 8 से 10 बजे तक योगासन स्पर्धा और 10 से 12.30 बजे तक मूल्यनिष्ठ चित्र स्पर्धा, मूल्यनिष्ठ कहानी कथन और गीत-स्पर्धा का आयोजन किया गया। सायं 5 से 6.30 बजे तक **राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी** ने 'आध्यात्मिक जीवन शैली' विषय पर बच्चों को क्लास कराया। आपने कहा कि बच्चों को आध्यात्मिक जीवन शैली अपनाने के लिए बाबा की बताई गई सभी दिनचर्या को अमृतवेले से लेकर दिनभर फॉलो करना चाहिए, सात्विक भोजन करना चाहिए, प्रतिदिन मुरली पढ़नी चाहिए और मुरली के प्वाईट्स अपने मात-पिता को भी सुनाने चाहिए। ट्रैफिक कण्ट्रोल का भी दिन में योग करने के लिए ध्यान देना चाहिए। मीठा बोलो,

कम बोलो, धीरे बोलो और 5 विकारों को भी अपने जीवन से हटाने के लिए प्रतिदिन योग करना चाहिए। सायं 6.30 से 7 बजे तक **राजयोगिनी डॉ. सविता बहन** ने सामूहिक कॉमेण्ट्री के साथ बच्चों को राजयोग का अभ्यास कराया। रात्रि 8 से 9.30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

23 मई, 2013 को प्रातः 6 से 11.30 बजे तक तपोवन में खेलकूद स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। सायं 5.30 से 6 बजे तक **राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय** ने 'व्यक्तित्व विकास' विषय पर बच्चों को क्लास कराया। आपने कहा कि इस वर्ष बाबा ने होमवर्क दिया है- सदा खुश रहना। इस शिक्षा को पूरा साल ध्यान से अपनाना है। यह बाबा की श्रीमत है जिससे आप सभी फरिश्ते बन जाएंगे और सभी बच्चे बाबा की प्रत्यक्षता करेंगे। सायं 6.30 से 7.30 बजे तक **ब्र.कु. सविता बहन** ने सामूहिक कॉमेण्ट्री के साथ बच्चों को क्लास कराया। रात्रि 8 से 9.30 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक 24 मई, 2013 को 'सात्विक आहार' विषय पर डायमण्ड ग्रुप का क्लास **ब्र.कु. अनु बहन** ने कराया। उन्होंने कहा कि सात्विक आहार से मन और बुद्धि में शुद्धता आती है। इसलिए बाबा ने हमें सात्विक आहार के लिए प्रेरित किया है। इससे हमारे संस्कार अच्छे बनते हैं। उन्होंने कहा कि बाहर का भोजन शरीर और दिमाग के लिए अच्छा नहीं होता। हमें सदा सात्विक भोजन करना चाहिए। एंजल ग्रुप का क्लास 'स्वच्छता और पवित्रता का जीवन में महत्व' विषय पर **ब्र.कु. मेहरचंद** ने कराया। उन्होंने कई उदाहरण देते हुए जीवन में पवित्रता के लिए सरस्वती के बारे में बताया। सरस्वती के गुणों को बताते हुए उन्होंने कहा कि यदि सरस्वती के सभी गुणों को जीवन में धारण करते हैं तो हम पवित्र और स्वच्छ बन जाएंगे। प्रातः 11.15 से 12.30 बजे तक डायमण्ड ग्रुप का क्लास **राजयोगिनी ब्र.कु. प्रभा बहन** ने 'स्वमान एवं सम्मान' विषय पर कराया।

आपने बच्चों को कहा कि हम सभी को अपने जीवन के प्रति जागरूक रहना चाहिए। आप सभी बाबा के विशेष बच्चे हैं। परमात्मा की याद में रहते हैं और परमात्मा को समझते हैं इसलिए सम्मान पाते हैं।

दिनांक 25 मई, 2013 को प्रातः 9.30 से 11.15 बजे तक राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा बहन ने 'सकारात्मक चिंतन' विषय पर डायमण्ड ग्रुप के बच्चों का क्लास कराया। आपने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए सकारात्मक चिंतन का होना आवश्यक है। जीवन में शंका और भय से शान्ति चली जाती है और हम अपने जीवन में सफलता के लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाते हैं इसलिए सकारात्मक चिंतन का होना आवश्यक है। उन्होंने कई उदाहरणों द्वारा नकारात्मकता को सकारात्मकता में परिवर्तन करने की विधि बताई। एंजिल ग्रुप का ब्र.कु. शक्तिराज भाई ने 'स्मरण शक्ति बढ़ाने की विधि' विषय पर क्लास कराया। आपने बच्चों को बताया कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आपने कितने घण्टे पढ़ाई की परन्तु यह महत्वपूर्ण है कि कितना याद रहा। आपने मेडीटेशन के माध्यम से स्मरण शक्ति बढ़ाने की विधियाँ एवं खेल बताये। प्रातः 11.30 से 12.30 बजे तक 'जीवन के लिए प्रेरणास्रोत - दादियाँ' विषय पर राजयोगिनी ब्र.कु.

गीता बहन ने बच्चों का क्लास कराया। आपने बच्चों को सभी दादियों की विशेषताएं और गुणों को बताते हुए उनके जीवन का परिचय दिया। सायं 5 से 6 बजे तक ब्र.कु. कीर्ति भाई ने बच्चों को मूल्यनिष्ठ खेल सिखाये। सायं 6 से 8.30 बजे तक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में सभी बच्चों को पुरस्कार दिए गए। इस समारोह में राजयोगी ब्र.कु. डॉ. हरीश शुक्ल ने बच्चों को शुभकामनाएं दीं। राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय ने बच्चों को पुरस्कार पाने के लिए बधाइयाँ दीं। राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने अध्यक्षीय प्रवचन में कहा कि सभी बच्चे इस शिविर से बाबा की सेवाओं को अपने-अपने स्थान पर जाकर प्रत्यक्ष करेंगे। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रभा बहन ने बच्चों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आप सभी बच्चे बड़े होकर बाबा की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण कर पूरे विश्व का परिवर्तन करेंगे। ब्र.कु. मेहरचंद ने कार्यक्रम का रिपोर्ट प्रस्तुत किया। राजयोगिनी सुशीला बहन ने आभार प्रदर्शन किया। मंच संचालन ब्र.कु. लता बहन ने किया।

दिनांक 26 मई, 2013 को बच्चे आबू दर्शन हेतु रवाना हुए और रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

ब्र.कु. डॉ. ममता, मेहसाना



डॉ. दादी रतनमोहिनी जी

त्याग, तपस्या की आप मूरत
स्नेह, शान्ति की हैं सूरत
ज्ञान-रत्नों की आप खान
मन मोहे मोहिनी मुस्कान।

यज्ञ का कोहिनूर हो
श्रेष्ठ समाज की शिल्पकार
सच्चे दिल से आपको प्यार करे,
पूरा ब्राह्मण परिवार।

युवाओं से युवा दादी जी
सबके दिल की दुआ दादी जी
मिला आपको यह सम्मान
बढ़ गई हम सबकी शान।

कितनी करें आपकी महिमा
दादी आप गुणों की खान
जड़ और चेतन सबका ही मन
देता है भर-भर सम्मान।

अभिनन्दन करते बाबा, बच्चे
अभिनन्दन करती दुनिया सारी
अभिनन्दन करे गुलबर्गा यूनिवर्सिटी
गुलाब जैसी दादी हमारी।

राजस्थान क्या, सबको ही आज
हो रहा खुद पर बहुत नाज
वाह-वाह प्यारी दादी
डॉक्टर डिग्रीधारी दादी।

अंबर से गूंजे गौरव गान
संगीत संध्या धरती ने सजाई
मन-मधुबन में महक रहे भाव
डॉक्टर दादी को कोटि-कोटि बधाई।

ब्र.कु. श्वेता बहन
ज्ञानामृत, शान्तिवन



राजुला (गुजरात)। शिक्षा प्रभाग की मीटिंग एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम में उपस्थित ट्रस्टी एवं चेयरमेन श्री जिग्नेश पटेल, डॉ. हरीश शुक्ल जी, ब्र.कु. चौक्सी जी, ब्र.कु. प्रभा बहन तथा ब्र.कु. अनु बहन।



खेरवा (गुजरात)। गणपत यूनिवर्सिटी के चेयरमेन एवं पूर्व मंत्री श्री अनिल पटेल को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. सरला बहन एवं डॉ. हरीश शुक्ल जी।



रेवाड़ी (हरियाणा)। रेवाड़ी सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों को मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा पर प्रवचन देते हुए ब्र.क्र. उर्मिला बहन।

स्वतंत्रता

मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम - कक्षा : 11

गीत: तुम मुक्त गगन के पंछी हो...

अर्थ: अवधारणा - प्राचीन, मध्ययुगीन, आधुनिक

स्वतंत्रता किन क्षेत्रों में:

- सामाजिक - उत्तरदायित्व (कर्तव्य), परिवार की सुरक्षा करना।
- आर्थिक - कमाने का अधिकार, परिश्रम करने का।
- राष्ट्रीय - नागरिकत्व लेना, प्रत्येक राष्ट्र का पक्षी, प्राणी, ध्वज गीत।
- धार्मिक - आध्यात्मिक, धर्म का पालन करना।

स्वतंत्रता किन-किन बातों में:

- वाणी की - स्वतंत्र विचारधारा
- शिक्षा प्राप्त करने की - आध्यात्मिक, नैतिक, मूल्य शिक्षा
- धर्म का पालन करने की - ईश्वर को मानना, सर्वधर्म समभाव, विश्व-बंधुत्व

सच्ची स्वतंत्रता:

- वाणी में - मधुरता, सच्चाई
 - शिक्षा प्राप्त करना - स्व की पहचान, अस्तित्व विषयक दृष्टिकोण
 - परमात्मा की पहचान - परमात्मा को ज्ञान के आधार पर पहचानना।
 - धर्म पालन करने की - ईश्वर को मानना, नैतिक शक्ति प्राप्त करना।
- रोग, शोक, दुःख, दरिद्रता से मुक्ति।

आध्यात्मिक परिदृश्य:

- स्व की स्वतंत्रता - आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार करके विकारों से मुक्ति (काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार)
- परमात्मा के द्वारा - एक परमात्मा को मानने से विश्व एकता।

स्वतंत्रता के मूल्य को आत्मसात् करने वाले व्यक्तित्व:

- राष्ट्रीयता - गांधी जी (सत्य, अहिंसा, आत्म-विश्वास)
 - सुभाष चंद्र बोस (उत्साह), भगत सिंह (त्याग, बलिदान)
 - आध्यात्मिक - प्रजापिता ब्रह्मा (सादगी, पवित्रता, आत्म-विश्वास, ज्ञान)
 - दादी प्रकाशमणि जी (मधुरता, निर्मलता, निमित्त)
 - दादी जानकी जी (रमणीकता, ज्ञान, आत्म-विश्वास)
- (उपरोक्त किसी भी विषय पर कहानी, प्रसंग सुनाना)

कहानी: स्वातंत्र्य सेनानी गांधी जी

गांधी जी एक महान विचारक संत थे-राजनीति में उन्हें मजबूरीवश उतरना पड़ा, क्योंकि देश परतंत्र था-चारों ओर छुआछूत, जाति-पाति का भेद-जिन्होंने स्वयं को व्यावहारिक, आदर्शवादी, कर्मयोगी सिद्ध किया-सामान्य परिवार में उनका जन्म-सन् 1888 में कानून की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वे इंग्लैण्ड गये-1893 में वे दक्षिण अफ्रीका गये-वहाँ वे 20 वर्षों तक रहे-दक्षिण अफ्रीका में रंगभेदवाद का व्यवहार-भारतीयों की दयनीय दशा-यहीं से उनमें स्वतंत्रता के विचारों का बीज पड़ा। उन्होंने 1893 से 1914 तक अफ्रीका की गोरी सरकार के विरुद्ध अपना अहिंसात्मक सत्याग्रह किया-भारत में अंग्रेजों द्वारा किये जा रहे अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाई-गांधी जी ने रॉलेट एक्ट-जलियावाला बाग हत्याकाण्ड-भारत छोड़ो आंदोलन-भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया-भारत के सभी नागरिकों ने एक ही आवाज में गांधी जी का साथ दिया और अंततः भारत 15 अगस्त, 1947 को आजाद हो गया।

स्वतंत्रता के मूल्य को धारण करने के लिए:

- ❖ अपनी सोच को सकारात्मक बनाना।
- ❖ अपने कर्तव्य (उत्तरदायित्व) के प्रति जागृत बनना।

- ❖ शिक्षा प्राप्त करना।
- ❖ अपने और दूसरों के अस्तित्व का सम्मान करना।
- ❖ ईश्वर में आस्था रखना। अपने राष्ट्र के प्रति गौरव होना।
- ❖ सेवा और परिश्रम की भावना को बढ़ाना।
- ❖ स्वमान में स्थित होना।

स्वतंत्रता के मूल्य को धारण करने से:

- ❖ व्यक्तित्व का विकास होगा।
- ❖ सकारात्मक भावना पैदा होगी।
- ❖ अपने कर्तव्य को जानेंगे और खुशी से उसका पालन करेंगे।
- ❖ स्व की पहचान होगी।
- ❖ परमात्मा की पहचान होगी।
- ❖ मूल्यों को धारण करने की भावना बढ़ेगी।
- ❖ सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, आध्यात्मिक क्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा।
- ❖ स्वतंत्रता से सम्बन्धित मूल्य- सत्य, अहिंसा, आत्म-विश्वास, सादगी, सेवा, परिश्रम, निर्मलता, निमित्त भाव, मधुरता, स्थिरता इत्यादि मूल्यों को धारण करने के लिए मन एकाग्र होगा।

गृहकार्य:

- ❖ स्वतंत्रता एक मूल्य है। इस विषय पर निबंध लिखिए।
- ❖ स्वतंत्रता से सम्बन्धित किसी एक घटना या कहानी लिखिए।
- ❖ स्वतंत्रता से सम्बन्धित मूल्यों की जानकारी प्राप्त कीजिए।
- ❖ स्वतंत्रता के मूल्य के विषय में कार्यशाला का आयोजन करें।
- ❖ स्वतंत्रता के मूल्य को दर्शाता हुआ चित्र बनाइये।
- ❖ स्वतंत्रता से सम्बन्धित सूक्तियां संकलित कीजिए।

योगाभ्यास के लिए चिन्तन बिन्दु:

मैं एक आत्मा हूँ... मैं आत्मा इस देह से न्यारी हूँ... मैं आत्मा निराकार हूँ... परमपिता परमात्मा की संतान हूँ... परमपिता परमात्मा सर्व शक्तिवान है... परमात्मा से मुझ आत्मा को सर्व शक्तियां प्राप्त हुई हैं... मैं आत्मा स्वतंत्रता का अनुभव कर रही हूँ... परमात्मा से प्राप्त शक्तियों से मैं आत्मा धीरे-धीरे सब विकारों से मुक्त हो रही हूँ... उपराम हो रही हूँ... मैं आत्मा मूल्यों से भरपूर हो रही हूँ... इन मूल्यों के उपयोग से मैं अपना व दूसरों का कल्याण करूंगी... अपने विचारों को स्वतंत्र बनाकर सकारात्मक चिन्तन करूंगी...

परमात्मा के महावाक्य:

- ❖ परमात्मा कहते हैं- मैं लिबरेटर हूँ। मैं तुम्हें दुःखों से मुक्त करने आया हूँ।
- ❖ तुम सभी सीताओं को रावण की जंजीरों से छुड़ाने आया हूँ। शोक वाटिका से अशोक वाटिका ले जाने आया हूँ।
- ❖ तुम बच्चों को दुःखधाम से छुड़ाकर सुखधाम ले जाने आया हूँ।
- ❖ अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाने आया हूँ।
- ❖ मैं तुम बच्चों को माया के बंधन से मुक्त करने आया हूँ।

स्तोत्र:

- ❖ सा विद्या या विमुक्तये।
- ❖ स्वराज्य हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है। उसे प्राप्त करके रहेंगे।

- ❖ तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

- लोकमान्य तिलक

- सुभाष चंद्र बोस

ब्र.कु. डॉ. ममता, मेहसाना

योगसन एवं शारीरिक स्पर्धाएं



विविध बौद्धिक स्पर्धाएं



सांस्कृतिक झलकियाँ एवं पुरस्कार वितरण



शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियाँ





मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता विषय पर आयोजित दीक्षांत समारोह में मंचस्थ हैं अन्नामलाई विश्वविद्यालय के परीक्षा नियामक डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम्, भ्राता निर्वैर जी, भ्राता करूणा जी, भ्राता मृत्युंजय जी, भ्राता पांड्यामणि जी, ब्र.कु. हरीन्द्र तथा अन्य।



पुझल सेण्ट्रल प्रिजन, चेन्नई के 18 कैदियों को पी.जी. डिप्लोमा की डिग्री प्रदान करने के बाद ग्रुप फोटो में है भ्राता मृत्युंजय जी, भ्राता पांड्यामणि जी, ब्र.कु. सीमा बहन, ब्र.कु. किरण बहन, ब्र.कु. बीना बहन, ब्र.कु. स्वाती तथा अन्य।



मन को स्वच्छ और धरती को हरा-भरा बनायें कार्यक्रम के पश्चात् ग्रुप फोटो में है बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस, जयपुर के मेहमानों के साथ भ्राता मृत्युंजय जी, ब्र.कु. सुषमा बहन, ब्र.कु. डॉ. आर.पी. गुप्ता, ब्र.कु. मुकेश अग्रवाल तथा अन्य।

Vardhaman Mahaveer Open University, Kota, Rajasthan



1. The Education Wing (RE & RF) signs yet another MoU for Values & Spirituality in University Education. VMOU, Kota Vice-Chancellor Dr. Vinay Kumar Pathak, Rajyogi BK Mruthyunjay with BK Om Parkash, Dr. L.R. Gurjar, Dr. R.P. Gupta & others lighting the lamp at the MoU signing ceremony at Kota.
2. Mr. Ummed Singh, Registrar, VMOU, Kota & Rajyogi BK Mruthyunjay, Vice Chairperson, Education Wing, Brahma Kumaris signing the MoU at Kota on 27th July. They are flanked by VMOU, Kota Vice-Chancellor Dr. Vinay Kumar Pathak; BK Om Prakash, Dr. R.P. Gupta & others.

Education Wing HQs. Office

B.K. Mruthyunjaya, Vice-Chairperson, Education Wing
Brahma kumaris, Value Education Centre
Anand Bhawan, Shantivan, Abu Road - 307 510 (Raj.)
E-mail: educationwing@bkivv.org

Education Wing, National Co-ordinators Office

B.K. Dr. Harish Shukla, National Coordinator, Education Wing
Sukh Shanti Bhawan, Kankaria, Ahmedabad - 380 022 (Guj.)
Mob. No. : +91 9427638887 Fax : 079-25325150
E-mail: harishshukla53@yahoo.com

To,
